LITTERA PUBLIC SCHOOL

CLASS II CHAPTER 13 HINDI

बंदरिया खाए सिवइंयाँ

एक बूढ़ी औरत अपने बेटे के साथ रहती थी। एक दिन उसके बेटे ने उससे कहा कि वह धन कमाने के लिए शहर जाना चाहता है।बुढ़िया ने कहा कि अगर तुम चले जाओगे तो मैं यहां अकेली रह जाऊंगी और आंगन में नीम के पेड़ पर रहने वाली बंदरिया मेरा जीना मुश्किल कर देगी।बेटे ने मां को एक लट्ठ पकड़ा कर कहा कि इससे वह बंदरिया से निपट लिया करेगी और केवल एक साल की ही बात है, ऐसा कहकर वह चला गया।

बुढ़िया के मुंह में एक भी दांत नहीं थी इसलिए वह प्रतिदिन अपने लिए सिवइंयाँ बनाती थी। जैसे ही वह सिवइंयाँ ठंडी होने के लिए रखती बंदरिया कूदकर आती और बुढ़िया को डराकर सारी सिवइंयाँ खा जाती थी। कभी भूखी रहकर, कभी आटा फाँककर तो कभी पानी पीकर बुढ़िया ऐसे ही रह जाती थी। परिणाम स्वरूप बुढ़िया सूखकर कांटे जैसी दुबली हो गई।लौटने पर अपनी मां की ऐसी हालत देख बेटे ने बंदरिया को सबक सिखाने की ठानी। अगले दिन मां ने रसोई बनाई और रोज की तरह सिवइंयाँ ठंडी होने के लिए रखा, साथ ही एक आग में तपी पत्थर की चौकी भी बैठकर खाने के लिए रखी।जैसे ही उसके बेटे ने बंदरिया को खाने के लिए आवाज लगाई वह कूदकर आई और उस पत्थर पर बैठ गई।जिसके बाद वह बुरी तरह जल गई और चीखती-चिल्लाती वहां से भागी और कभी वापस वहां नहीं आई।

शब्दार्थ:-
सिवइंयाँ-मैदे के लच्छे
लट्ठ-लाठी/बड़ा डंडा
दुबली-कमजोर
खस्ता हालत-खराब हालत
पलटकर-मुड़कर
सुर्ख-लाल
रोग-बीमारी
आसन-बैठने की जगह

कठिन शब्द:-

- आंॅगन, बंदरिया, सिवइंयाँ, लट्ठ, प्लेट, कूदकर, पहुंॅचती, फटकारना, अकेली, गुज़ारा, सूखकर, दुबली, फाँककर, बुढ़िया, खस्ता, विस्तार, किस्सा, रसोई, गरम-गरम, चुपड़, फुलके, नरम -नरम, दरवाज़े, सुनहरी, पत्थर, चौकी, आसन, चीखती- चिल्लाती, पलटकर

पर्यायवाची शब्द:-

बुढ़िया-वृद्धा
रोज-प्रतिदिन
पानी-जल, नीर
आंॅख-नयन, नेत्र
नतीजा-परिणाम
डर-भय
हैरान-आश्चर्यचकित

विलोम शब्द:-
शहर×गांॅव
सूखा×गीला
नरम×सख्त
दुबली×मोटी
गरम×ठंडा
विस्तार×संक्षिप्त